

जिस में कपास के उपभोक्ता एवं उत्पादक देशों की उपयुक्त कपास संस्थाओं से बातचीत की जा सके। इस प्रकार की बैठक का एक उद्देश्य यह भी हो सकता है कि वर्तमान कार्यक्रम जिस में विशेषतः लम्बे रेशे वाली कपास भी शामिल है, को ध्यान में रखते हुए संवर्धन तथा उस के बाजार संबंधी गवेषणा कार्य के लिए और अधिक साधन जुटाने के उपायों तथा ढंगों पर विचार किया जा सके।

अजमेर में घड़ियां बनाने का कारखाना

२८१. श्री ओंकारलाल बेरवा : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार अजमेर में घड़ियां बनाने का कारखाना खोलने जा रही है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह विदेशी सहायता से बनाया जा रहा है, और

(ग) क्या यह कारखाना सरकारी क्षेत्र में होगा या गैर-सरकारी क्षेत्र में होगा ?

उद्योग मंत्री (श्री कानूनगो) : (क) से (ग). अजमेर में सरकारी या निजी किसी भी क्षेत्र में घड़ी बनाने का कोई कारखाना खोलने का प्रस्ताव नहीं है।

शिमला के पास घड़ियां बनाने का कारखाना

२८२. श्री ओंकारलाल बेरवा : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि शिमले के पास ४० मील की दूरी पर घड़ियां बनाने का कारखाना खोला गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह कारखाना किसी गैर-सरकारी कम्पनी का है या सरकार का ;

(ग) क्या इसके लिये विदेशी सहायता भी ली गई है ; और

(घ) यदि हां, तो कितनी और किससे ?

उद्योग मंत्री (श्री कानूनगो) : (क) और (ख). शिमला के निकट सोलन में घड़ियां बनाने का एक निजी कारखाना खोला गया है।

(ग) और (घ). इसके लिये कुछ भी विदेशी सहायता नहीं ली गई है।

बड़ौदा में बाल बेयरिंग का कारखाना

२८३. श्री ओंकारलाल बेरवा : क्या इस्पात और भारी उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बड़ौदा में बाल बेयरिंग का कारखाना खोलने का विचार है ;

(ख) यदि हां, तो इस कारखाने पर कितनी लागत आयेगी

(ग) इसके कब तक पूरा होने की संभावना है ;

(घ) क्या यह विदेशी सहयोग से स्थापित किया जायेगा ; और

(ङ) इसकी वार्षिक क्षमता क्या होगी ?

इस्पात और भारी उद्योग मंत्री (श्री चि० सुब्रह्मण्यम) : (क) जी, हां।

(ख) कारखाने की अनुमानित लागत २२.७ मिलियन रुपये है।

(ग) फर्म के १९६४ में उत्पादन शुरू करने की संभावना है।

(घ) जी, हां।

(ङ) इसकी वार्षिक क्षमता २४ मिलियन बेयरिंग होगी।